नव भारत
1934 से

जगदीशपुर में कैबिनेट आज

मंत्रालय से बाहर 8वीं और भोपाल जिले के दायरे में गांव में होने वाली पहली कैबिनेट होगी

- यूसीसी विधेयक को मिलेगी मंजूरी
- कैबिनेट में एक दर्जन से अधिक प्रस्ताव होंगे पेश

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 18 जुलाई. राजधानी भोपाल से लगे ऐतिहासिक जगदीशपुरा गांव में रविवार को होने वाली कैबिनेट की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. डॉ. मोहन यादव सरकार की यह 8वीं कैबिनेट होगी, जो कि मंत्रालय से बाहर होगी, वहीं भोपाल जिले के दायरे में गांव में होने वाली यह पहली कैबिनेट होगी. इससे पहले पिछली सरकार के समय सीहोर जिले के एक रिसोर्ट में कैबिनेट की बैठक की गई थी.

कैबिनेट में मप्र के सबसे चर्चित यूसीसी विधेयक को पेश किया जाएगा, जिसे चर्चा के बाद मंजूरी मिल सकती है. कैबिनेट दोपहर में होगी जिसमें आधा दर्जन से अधिक विधेयकों सहित एक दर्जन से अधिक प्रस्ताव निर्णय के लिए पेश किए जाएंगे.

कैबिनेट में सबसे बड़ा मामला यूसीसी विधेयक का पेश होगा, जिसे लेकर सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है. इस विधेयक में प्रदेश के सभी धर्मों के लिए एक जैसे नियम और कानून लागू होंगे, विशेष रूप से विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार के मामले कमोबेश सभी धर्मों के लिए एक जैसे ही होंगे. अब तक ये मामले अलग- अलग धर्मों के लिए बने अलग- अलग कानूनों के दायरे में आते रहे हैं, विवाद की स्थिति में उसी कानून के दायरे में रहकर सुनवाई की जा सकती थी, लेकिन अब ऐसे मामलों में सभी धर्मों और वर्गों के लिए एक ही कानून प्रभावी होंगे.

धर्म के आधार पर विशेष रियायत का प्रावधान नहीं रहेगा. सबसे बड़ी बात ये कि इस विधेयक के दायरे से प्रदेश के जनजाति वर्ग को बाहर रखा गया है. यानी विधेयक के प्रावधान जनजाति समाज पर लागू नहीं होंगे, उनकी परंपराओं और मान्यताओं, धार्मिक रीति-रिवाज पर ये कानून किसी तरह का कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा.

बाबा महाकाल की नगरी में भी होगी कैबिनेट बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है. उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है. प्रदेश के विभिन्न स्थानों से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क का कार्य भी इससे आसान हुआ है.

राजधानी भोपाल के अलावा इन स्थानों पर हुई कैबिनेट

- 3 जनवरी 2024 : जबलपुर के शक्ति भवन में रानी दुर्गावती के सम्मान में.
- 5 अक्टूबर 2024 : दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में.
- 24 जनवरी 2025 : लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर जिला खरगोन में.
- 20 मई 2025 :लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में.
- 3 जून 2025 : नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित.
- 9 दिसम्बर 2025 : खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में.
- 2 मार्च 2026 : बड़वानी जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में .

सीएम ने मानसून सत्र की तैयारियों का लिया फीडबैक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को समत्व भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक ली. बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार, 19 जुलाई को भोपाल जिले के ग्राम जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली कैबिनेट की बैठक एवं सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों का फीडबैक लिया. बैठक में मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में अनुमोदन के लिए लाये जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए. बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद थे.

शिवपुरी में खेत में पहुंचा 6 फीट लंबा मगरमच्छ

शिवपुरी. ग्राम अकोदा में धान के खेत में करीब 5 से 6 फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया. मगरमच्छ को देखते ही मजदूर खेत से बाहर निकल आए और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए. नदी किनारे स्थित एक खेत में मजदूर धान की रोपाई कर रहे थे. इसी दौरान पानी के बीच अचानक हलचल हुई. पहले मजदूरों को किसी बड़े जीव के होने का अंदेशा हुआ, लेकिन पास जाकर देखा तो खेत के बीचों-बीच एक मगरमच्छ मौजूद था. मगरमच्छ को देखते ही मजदूर घबरा गए और तुरंत खेत से बाहर निकल आए.

जंगल में वन विभाग की टीम पर तलवार फालिये से हमला

अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्र में काम रोकने पहुंचे आरोपियों ने किया पथराव, वनरक्षक घायल, जेसीबी में तोड़फोड़

नव भारत न्यूज

इंदौर. चोरल रेंज के रसकुंडिया जंगल में शासकीय कार्य के दौरान वन विभाग की टीम पर शनिवार दोपहर हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया. आरोपियों ने तलवार, फालिये और पत्थरों से हमला कर काम रुकवा दिया. हमले में एक वनरक्षक घायल हो गया, जबकि जेसीबी मशीन और वन विभाग की एम्बुलेंस में भी तोड़फोड़ की गई. पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी.

चोरल रेंज के रेंजर सचिन ने बताया कि रसकुंडिया क्षेत्र में अतिक्रमण संभावित जंगल में जल संरक्षण और कंटूर ट्रेंच निर्माण का कार्य

चल रहा था. इसी दौरान प्रेमसिंह भील अपने बेटों पवन और अनोखीलाल के साथ मौके पर पहुंचा और काम बंद कराने लगा. तीनों ने पहले कर्मचारियों से विवाद किया, फिर पथराव शुरू कर दिया. पवन के हाथ में तलवार और अनोखीलाल के पास फालिया था. हाथापाई के दौरान तलवार का हत्था वनरक्षक आनंद कुमार सिंह की कलाई पर लगा, जिससे वह घायल हो गया. कर्मचारियों ने किसी तरह उसे आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया और उपचार के लिए मध्यभारत अस्पताल पहुंचाया. हमले के दौरान आरोपियों ने मौके पर खड़ी दो जेसीबी मशीनों और वन विभाग के अन्य वाहनों के कांच भी फोड़ दिए. जाते जाते उन्होंने दोबारा काम करने पर जान से मारने की धमकी भी दी.

सख्त कार्रवाई की जाएगी

वन विभाग की टीम पर हमला गंभीर मामला है. शासकीय कार्य में बाधा और कर्मचारियों पर हमले को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी.

- सुधाकर लाल, डीएफओ, इंदौर

कांग्रेस में बने रहेंगे अवधेश नायक, पटवारी संग मांगे वोट

दतिया, 18 जुलाई. विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस को आज उस वक्त ताकत मिली जब उसके नाराज चल रहे वरिष्ठ नेता अवधेश नायक चुनाव प्रचार में सक्रिय हो गए. शनिवार को वे कांग्रेस की सभाओं और जनसंपर्क अभियान में शामिल हुए. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने पार्टी प्रत्याशी घनश्याम सिंह के समर्थन में प्रचार किया.

अवधेश नायक 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे. उस समय उन्हें टिकट मिला था, लेकिन बाद में टिकट बदलकर राजेंद्र भारती को उम्मीदवार बनाया गया था. इस बार के उपचुनाव में भी वे कांग्रेस टिकट के प्रमुख दावेदारों में थे, लेकिन पार्टी ने घनश्याम सिंह को प्रत्याशी बनाया. इससे वे नाराज थे.

टिकट घोषित होने के बाद अवधेश नायक कई प्रमुख चुनावी सभाओं में नजर नहीं आए थे. इसी बीच भाजपा के मंत्री और वरिष्ठ नेता भी उनके निवास पर पहुंचे. जबकि कांग्रेस नेताओं का भी लगातार आना-जाना बना रहा.

भाजपा सभी समाज वर्ग के लिए प्रतिबद्ध : डॉ . महेन्द्र सिंह

दतिया, 18 जुलाई. भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शनिवार को दतिया जिला भाजपा कार्यालय में दतिया विधानसभा के सभी मंडलों एवं शक्ति केंद्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता हर बूथ के एक-एक घर पहुंचकर भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाकर पार्टी प्रत्याशी को विजयी बनाने का आशीर्वाद मांगें.

यह चुनाव दतिया के विकास का चुनाव है, भाजपा सभी समाज वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि दतिया विधानसभा क्षेत्र का एक भी घर ऐसा न बचे, जहां हमारे कार्यकर्ता न पहुंचे. प्रदेश प्रभारी ने कहा कि यह चुनाव दतिया के विकास का चुनाव है. भाजपा सरकार में दतिया विधानसभा को नई पहचान मिली है. यहां पर कई विकास के कार्य कराए गए हैं. यह उपचुनाव भाजपा के विकास और कांग्रेस पार्टी के विनाश का चुनाव है. भाजपा के प्रदेश प्रभारी ने कहा कि भाजपा देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो एक साधारण कार्यकर्ता को भी मौका देती है.

शिक्षा विशेष 2026

शिक्षा 'ओ' अनुसंधान : दूरदृष्टि, उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की एक यात्रा

प्रो. प्रदीप्ता कुमार नंदा
कुलपति
एसओए डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी

मशीनें आदेशों का पालन करती हैं, लेकिन लोग दृढ़ विश्वास का पालन करते हैं. दृढ़ विश्वास, उद्देश्य की स्पष्टता और शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति में अटूट आस्था ने ही प्रो. (डॉ.) मनोजरंजन नायक को शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (एसओए) की स्थापना के लिए प्रेरित किया, जो आज भारत के अग्रणी बहुविषयक विश्वविद्यालयों में से एक है.

ऐसे समय में जब ओडिशा में गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का अभाव था और छात्रों को इंजीनियरिंग और चिकित्सा की पढ़ाई के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता था, प्रो. नायक ने ओडिशा के भीतर ही विश्व स्तरीय संस्थानों की परिकल्पना की. यह परिकल्पना 1996-97 में तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईटीईआर) की स्थापना के साथ साकार हुई, जिसकी शुरुआत मात्र 118 छात्रों से हुई और इसने राज्य में तकनीकी शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत की. 17 जुलाई 2007 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई, जब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत एसओए को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्रदान किया. तब से, एसओए एक जीवंत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें इंजीनियरिंग, प्रबंधन, चिकित्सा, नर्सिंग, दंत चिकित्सा, फार्मास्युटिकल विज्ञान, आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन, कानून, कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान सहित 13 घटक संस्थान शामिल हैं, जिनमें हाल ही में फुलनाखरा में स्थापित चिकित्सा, नर्सिंग और फार्मेसी परिसर भी शामिल है.

आज, एसओए में कई परिसरों में फैले तेरह घटक संस्थान शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक शिक्षण, अनुसंधान और व्यावसायिक शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए समर्पित है.

एसओए के घटक संस्थान निम्नलिखित हैं:-

- तकनीकी शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीईआर) — (इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय)
- व्यापार एवं कंप्यूटर अध्ययन संस्थान (आईबीसीएस)- (प्रबंधन विज्ञान संकाय)
- एसयूएम नर्सिंग कॉलेज- (नर्सिंग संकाय)
- होटल प्रबंधन विद्यालय- (आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन संकाय)
- औषधीय विज्ञान विद्यालय- (औषधीय विज्ञान संकाय)
- दंत विज्ञान संस्थान- (दंत विज्ञान संकाय)
- चिकित्सा विज्ञान संस्थान एवं एसयूएम अस्पताल- (चिकित्सा विज्ञान संकाय)
- एसओए राष्ट्रीय विधि संस्थान- (कानूनी अध्ययन संकाय)
- कृषि विज्ञान संस्थान- (कृषि विज्ञान संकाय)
- पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन संस्थान- (पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय)
- चिकित्सा विज्ञान संस्थान एवं एसयूएम अस्पताल-II, फुलनाखरा- (चिकित्सा विज्ञान संकाय-2)
- एसयूएम नर्सिंग कॉलेज-II, फुलनाखरा- (नर्सिंग संकाय-2)
- फार्मास्युटिकल साइंसेज स्कूल-II, फुलनाखरा- (फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय-2)

आज, एसओए में 22,000 से अधिक छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें लगभग 30 देशों के 400 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र शामिल हैं.

एसओए की उत्कृष्टता की खोज राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में परिलक्षित होती है. शिक्षा मंत्रालय की एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में, इसने भारत के सभी विश्वविद्यालयों में 15वां स्थान प्राप्त किया. इसके घटक संस्थानों ने इंजीनियरिंग (आईटीईआर) में 22वां, चिकित्सा विज्ञान में 15वां, दंत विज्ञान में 9वां, विधि में 10वां, प्रबंधन में 66वां स्थान प्राप्त किया, जबकि विश्वविद्यालय ने अनुसंधान में राष्ट्रीय स्तर पर 49वां स्थान प्राप्त किया. महत्वपूर्ण बात यह है कि एसओए 2016 से प्रत्येक एनआईआरएफ रैंकिंग में भारत के शीर्ष 25 विश्वविद्यालयों में बना हुआ है. विश्वविद्यालय को 2022 में प्रतिष्ठित एनएएसी ए++ ग्रेड से पुनः मान्यता प्राप्त हुई और इसे क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग और टाइम्स हायर एजूकेशन विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग दोनों में मान्यता प्राप्त है.

अनुसंधान और नवाचार एसओए के शैक्षणिक मिशन के केंद्र में हैं. विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने वाले 27 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यरत 18 अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं. 2025 में, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के डेटाबेस में विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में एसओए के 41 शोधकर्ताओं को शामिल किया गया. भारत सरकार के अटल नवाचार मिशन के तहत स्थापित अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी-एसओए फाउंडेशन) के माध्यम से नवाचार को और बढ़ावा दिया जाता है. स्वास्थ्य सेवा एसओए की प्रमुख शक्तियों में से एक है. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और एसयूएम अस्पताल, भुवनेश्वर, पूर्वी भारत के अग्रणी शिक्षण अस्पतालों में से एक बन गया है. इस स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क में अब फुलनाखरा में दूसरा मेडिकल कॉलेज और शिक्षण अस्पताल, सीतलापल्ली, बरहमपुर में एसयूएम अस्पताल और अत्याधुनिक चतुर्थक देखभाल अस्पताल एसयूएम अल्टीमेट मेडिकेयर शामिल हैं. इन संस्थानों को प्रतिष्ठित एनएबीएच और एनएबीएल मान्यता प्राप्त है. कोविड-19 महामारी के दौरान, एसओए ने लगभग 5,000 बिस्तरों वाले पांच समर्पित स्वतंत्र कोविड अस्पताल स्थापित और संचालित किए, जिन्होंने भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक के दौरान जीवन रक्षक देखभाल प्रदान की. विश्वविद्यालय का पशु चिकित्सा संस्थान भी पशु स्वास्थ्य देखभाल के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है. शैक्षणिक क्षेत्र के अलावा, एसओए छात्र कल्याण कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सामाजिक सेवा (एनएसएस), एनसीसी और जागो पहल के माध्यम से सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करता है, जो वंचित बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण में सहायता प्रदान करता है. सार्वजनिक संचार में इसके योगदान में वॉयस ऑफ एसओए 90.4 एफएम सामुदायिक रेडियो शामिल है, जबकि पीपीआरएसीएचआईएन जैसी पहल भारत की विरासत, ज्ञान प्रणालियों और संस्कृति को बढ़ावा देती हैं. एकल संस्थान से भारत के अग्रणी बहुविषयक विश्वविद्यालयों में से एक बनने तक, एसओए की यात्रा दूरदृष्टि को वास्तविकता में बदलने की एक उल्लेखनीय कहानी है. भविष्य की ओर देखते हुए, एसओए शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है।